राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

कोटा विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय जीएसटी की बारीकियों को जन–जन तक पहुंचाये

–राज्यपाल

जयपुर, 20 जुलाई। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि देश आर्थिक सुधारों के दौर से गुजर रहा है। जीएसटी लागू कर केन्द्र सरकार ने आर्थिक एकीकरण की दिशा में क्रान्तिकारी निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय इसमें महती भूमिका निभाते हुए जीएसटी की बारीकियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए आगे आयें।

राज्यपाल गुरूवार को कोटा के यूआईटी ऑडोटोरियम में कोटा विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक कर' इस योजना का बीज मंत्र है। इस योजना के प्रति समाज में जागरूकता लाने की जरूरत है।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालयों को इस महान कार्य में अपनी भूमिका निभाने के लिए आगे आना होगा। शिक्षक जीएसटी का अध्ययन करें, उसे समझें तथा विद्यार्थियों को भी इसके आधारभूत उद्देश्य एवं महत्वपूर्ण बिंदुओं से परिचित करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जीएसटी को लेकर गोष्ठियां, सेमिनार एवं विशेष सत्र आयोजित करें। इसमें व्यापारियों, उद्योगपतियों व छोटे– बड़े कारोबारियों को आमंत्रित करें। बडे आयोजनों में जीएसटी विशेषज्ञों को बुलाकर सीधी सरल भाषा में इसकी बारीकियों से लोगों को परिचित कराया जाए। सभी लोगों की शंका के समाधान के लिए प्रश्नकाल निर्धारित किया जाए।

श्री सिंह ने कहा कि मैं चाहता हूं कि राजस्थान के विश्वविद्यालयों के माध्यम से जीएसटी की बारीकियां जन–जन तक सरल एवं बोधगम्य रूप में पहुंचे। राष्ट्र की आर्थिक प्रगति के लिए प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गये इस ऐतिहासिक एवं क्रान्तिकारी निर्णय को सकारात्मकता से स्वीकार करने में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बने। राजस्थान देश का पहला राज्य है, जहां जीएसटी की बारीकियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालयों को जोड़ा गया है। उन्होंने भारत सरकार के इस निर्णय को सकारात्मकता से स्वीकार करने की अपील भी की है।

राज्यपाल ने दीक्षार्थियों को आव्हान किया कि वे नवाचार के लिए तैयार होकर समाज एवं देश की सेवा में आगे आएं। गांवों, शहर एवं देश में अपने दायित्व का निर्वहन कर समाज के वंचित तबके को मुख्यधारा में लाने के लिए कार्य करें। उन्होंने परिश्रम करने की सीख देते हुए कहा कि किसी की नकल नहीं करें। सामाजिक सरोकारों में भूमिका निभायें। राजस्थान वीर–वीरागंनाओं की भूमि है। राज्यपाल ने कहा कि महापुरूषों की जीवनियों पर गोष्ठियां आयोजित करने हेतु विश्वविद्यालय पहल करें। उन्होंने कोटा–बून्दी के वैभवशाली इतिहास एवं तलवार की प्रसिद्धी की भी चर्चा की। राज्यपाल ने युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनाये जाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। राज्यपाल ने दीप प्रज्जवलन कर समारोह का शुभारंभ किया एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत का विमोचन किया।

उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी ने कहा कि व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण की समझ शिक्षा से ही मिलती है। दीक्षार्थी शिक्षा को जन–जन तक पहुंचायें। विश्वविद्यालय में शोध पीठों की स्थापना के प्रयास लगातार जारी हैं। इनसे युवा वर्ग लाभान्वित होंगे।

कुलपति श्री पी.के.दशोरा ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। दीक्षांत समारोह में 55 हजार 740 उपाधियां प्रदान की गई। समारोह में 44 शोधार्थियों को डॉक्टरेट उपाधि , 52 को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

संस्कृति भवन का लोकर्पण

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने कोटा विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह के अवसर पर यूआईटी ऑडिटोरियम से ही विश्वविद्यालय में नवनिर्मित संस्कृति भवन का बटन दबाकर लोकार्पण किया।

– – –

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
जनसम्पर्क अधिकारी, राज्यपाल